एड्स वायरस से मुक्ति बारह साल तक

एक लड़की का जन्म 18 वर्ष पहले हुआ था और वह जन्म से ही एड्स वायरस से संक्रमित थी। यह वायरस उसे संभवतः उसकी मां से मिला था। करीब 6 साल तक उसे एड्स वायरस रोधी दवा (एंटी रिट्रो वायरल उपचार) दी गई थी मगर फिर उपचार बंद कर दिया गया। खुशी की बात यह है कि आज उपचार बंद करने के 12 साल बाद भी वह वायरस मुक्त है - यदि उसके शरीर में वायरस हैं भी तो इतने कम हैं कि खून की जांच के दौरान पकड़ में नहीं आते हैं। यह पहली बार है कि कोई व्यक्ति उपचार बंद करने के इतने सालों बाद तक वायरस मुक्त है।

दरअसल बच्ची के जन्म के 1 माह बाद ही पता चल गया था कि वह एड्स वायरस से संक्रमित है। तुरंत दवा चालू की गई थी ताकि वायरस संख्या वृद्धि न कर सके। छः साल बाद परिवार ने फैसला किया कि वे अब और उपचार नहीं करवाएंगे। डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि उसके खून में वायरस नहीं दिख रहा है।

मामले का अध्ययन कर रहे एसिएर सैज़-सिरिऑन का कहना है कि गौरतलब बात है कि इस लड़की की जेनेटिक बनावट में ऐसा कोई तत्व नहीं है जो उसे कुदरती रूप से वायरस का प्रतिरोधी बना दे। इससे संकेत मिलता है कि संभवतः उसे वायरस मुक्त बनाने में प्रमुख योगदान वायरस रोधी दवाइयों के एक सम्मिश्रण का उपयोग ही है।

हालांकि यह परिणाम बहुत रोमांचक और उत्साहवर्धक है मगर अभी यह स्पष्ट नहीं कि लड़की पूरी तरह वायरस से मुक्त हो गई है अथवा वायरस सिर्फ दबा हुआ है और भविष्य में कभी सिर उठाएगा। ज़ाहिर है, उपचार बंद करने के बाद भी उसकी नियमित जांच करनी होगी ताकि ज़रूरत होने पर इलाज शुरू किया जा सके। ***(स्रोत फीचर्स)***

अगले अंक में....

स्रोत अक्टूबर 2015
अंक 321

- **देश में बढ़ते सड़क हादसे**
- **'उच्च' तापमान पर अति-चालकता**
- **मां आयोडीन ले, तो बच्चे का आईक्यू बढ़ता है?**
- **गंभीरता के बावजूद ग्रीनहाऊस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि**